Hindi Murli Quiz 04-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **तुम कोई शरणागति नहीं लेते हो । यह अक्षर भक्ति मार्ग के हैं - शरण पड़ी मैं तेरे । बच्चा कभी बाप की शरण पड़ता है क्या! बच्चे तो मालिक होते हैं । तुम बच्चे बाप की शरण नहीं पड़े हो । बाप ने तुमको अपना बनाया है ।**

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.2) **Match the following**

	Choice		Match
A	ऐसे नहीं कि कोई के शरीर से छिप कर देख आऊं ।	1	पार्ट ही नहीं हैं	
B	बाप कहते हैं जितना पावन बनेंगे तो ऊंच पद मिलेगा ।	2	सारी याद के यात्रा की बाजी है ।
C	विष पीने की जो भूख लगती है, वह छोड़ देनी है	3	तुमको देख और भी जाने लग पड़ेंगे इसलिए तुम्हें नहीं जाना है	
D	बाइसकोप में जाने से ही खराब हो पड़ते हैं	4	उसे परिवार का प्यार स्वतःमिलता है ।
E	जिसका बाप और सेवा से प्यार है	5	इसलिए व्यर्थ संकल्प रअपने अन्दर प्रवेश होने नहीं देना ।
F	स्वयं में यदि कमजोरी का संकल्प उत्पन्न होता है तो कमजोरी के संस्कार बन जाते हैं	6	उनका तो ख्याल भी न करो	

Q.3) **यह है हुसैन का घोड़ा । यहाँ बाबा किस की बात कर रहे हैं ?**

A. ब्राह्मण
B. ब्रह्मा
C. कुमार
D. ड्रामा

Q.4) **बाप ने यह भी समझाया है कि यह ड्रामा है, जो कुछ होता है वह ड्रामा ....**

A. में एक ही बार होता है ।
B. की भावी है , बाप कुछ नहीं कर सकते |
C. अनुसार होता है |

Q.5) **यहाँ की कोई चीज में सार नहीं है । कहाँ सतयुग के फल-फूल कहाँ यहाँ के! वहाँ कभी खट्टी बासी चीज होती नहीं । तुम वहाँ का साक्षात्कार भी कर आते हो । तुम्हारी दिल होती है यह फल-फूल ले जायें । परन्तु यहाँ आते हो तो वह गुम हो जाता । यह सब साक्षात्कार कराए बच्चों को बाप ..**

A. बहलाते हैं |
B. विकर्म विनाश करवाते हैं |
C. सही दृश्य दिखाते हैं ताकि बनवा सकें |

Q.6) **किस बात का सदा सिमरण होता रहे तो माया तंग नहीं करेगी?**

(उत्तर एक या एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. वह हमारा बाबा भी है, शिक्षक भी है, सतगुरू भी है परन्तु है निराकार ।
B. यह बुद्धि में सिमरण रहे तो खुशी का पारा चढ़ा रहेगा फिर माया तंग नहीं करेगी ।
C. हम निराकारी आत्माओं को पढ़ाने वाला निराकार बाबा है |
D. हम बाप के पास आये हैं |

Q.7) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice		Match
A	तुमसे कोई पूछे तुम कहाँ जाते हो? बोलो, हम जाते हैं ईश्वरीय युनिवर्सिटी में । वहाँ हम राजयोग सीखते हैं ।	1	शिवबाबा को याद करो तो याद से विकर्म विनाश होंगे ।
B	ऐसा और कोई कह न सके । कहेंगे निराकार भगवान फिर कहाँ से आया?	2	चैरिटी बिगन्स एट होम
C	बाप कहते हैं-मामेकम याद करो	3	अपने ही रचना रूपी जाल में फँस पड़ते हैं ।
D	सबके कान में यही मीठी-मीठी बात सुनाओ	4	अक्षर ऐसे सुनाओ जो वह चक्रित हो जायें ।

E	बूढ़े भी तीखे चले जाएं तो ऊंच पद पा सकते हैं । बुढ़ियों का फिर थोड़ा ममत्व भी रहता है ।	5	ऐसे नहीं कहते कि जिसमें प्रवेश किया है उनको भी याद करो ।
F	गृहस्थ व्यवहार में भल रहो, सबसे बातचीत करो । उनसे भी रिश्ता भल रखो ।	6	वह तो समझते हैं भगवान नाम- रूप से न्यारा है ।

Q.8) **जब कोई कहे फलाना स्वर्ग पधारा तो बोलो ...**

A. कहाँ से गया? जरूर नर्क से गया ।

B. स्वर्ग ब्राह्मण बने बिना कोई जा न सके |

C. स्वर्ग अभी धरती पर है ही नहीं |

Q.9) **अपने को आत्मा समझ बाप को याद करना है । कृष्ण अगर हो**

A. उस पर तो सभी झट फिदा हो जायें |

B. तो सब तो याद नहीं करेंगे |

C. तो याद ही न कर सकें |

Q.10) **बाप भी कहते हैं मैं पुरानी जुत्ती का लोन लेता हूँ । ड्रामा में यह रथ ही निमित्त बना हुआ है । यह बदल नहीं सकता । इनको फिर तुम 5 हजार वर्ष बाद देखेंगे । ड्रामा का राज समझ गये ना । यह बाप के सिवाए और कोई में __ नहीं जो समझा सके ।**

A. ताकत

B. समझ

C. ज्ञान